Saathi

Date ___ / ___

शैक्षिक तकनीकी के स्रोत

विभिन्न विद्वानों ने शैक्षिक तकनीकी के स्रोत को विभिन्न प्रकार से व्याख्या की है।

(I) डैरक रौन्ट्री :- डैरक रौन्ट्री ने इसके निम्नांकित स्रोत बताये हैं:—

① अधिगम के लक्ष्य तथा उद्देश्य चिह्नित करना।
② अधिगम वातावरण का नियोजन करना।
③ विषय-वस्तु की खोज करना तथा इसे संरचित करना।
④ अधिगम व्यवस्था की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना।
⑤ ~~अधिगम~~ उपयुक्त शिक्षण व्यूह रचनाओं तथा अधिगम संचार का चयन करना।
⑥ भविष्य में प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए मूल्यांकन के आधार पर वांछित सूझ-बूझ प्राप्त करना।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.

Saathi
Date ___/___/___

(ii) कुछ विद्वानो ने शैक्षिक तकनीकी का क्षेत्र इस प्रकार प्रदर्शित करते है। उन्होंने शैक्षिक तकनीकी के तीन बिन्दु बताये हैं।

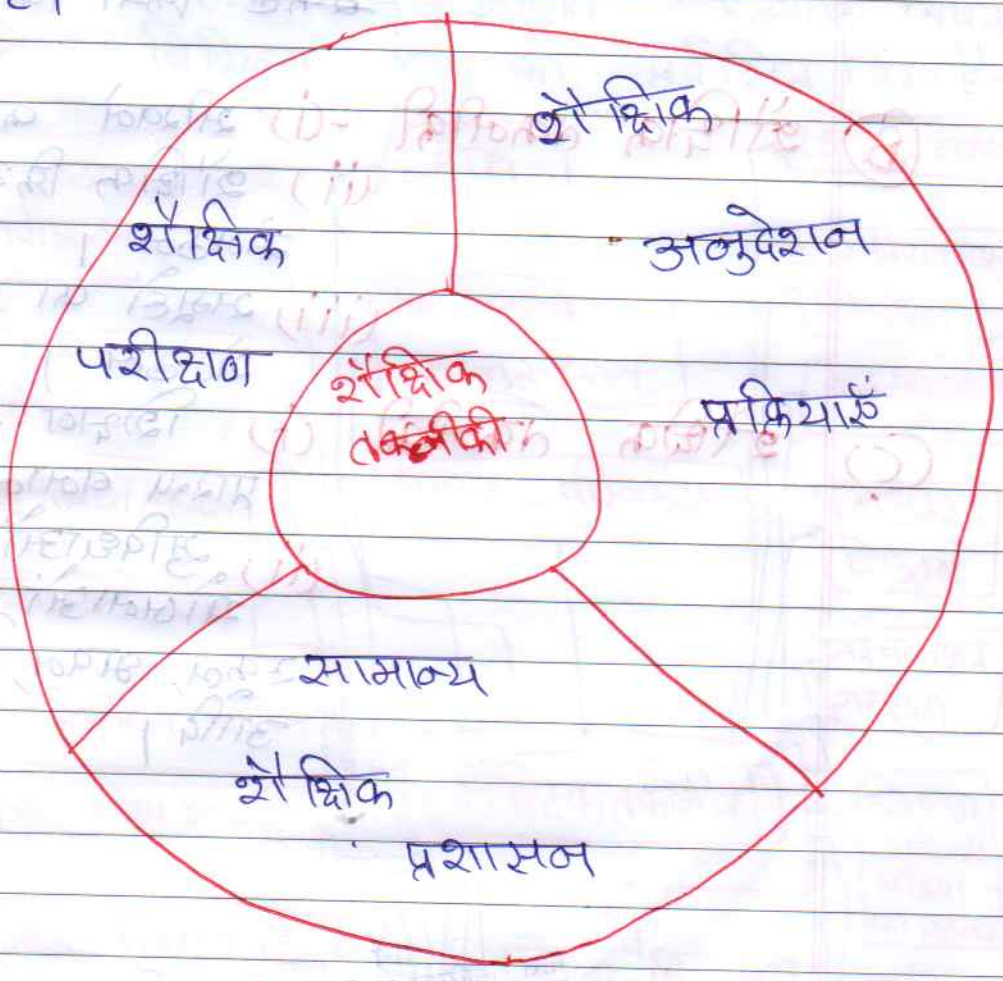

(iii) तकाशी सकामाटो :-

जापानी शिक्षाविद् तकाशी सकामाटो ने शैक्षिक तकनीकी के कार्य-क्षेत्र को तीन क्षेत्रों में बांटा है:-

शैक्षिक तकनीकी – विषय-वस्तु

A शैक्षिक तकनीकी – (i) शैक्षिक प्रणाली परिस्थिति का अध्ययन और शैक्षिक उपयोग।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Saathi

Date __/__/____

(ii) शैक्षिक सूचनाओं को इकट्ठा करना।
(iii) शैक्षिक सूचनाओं की ~~इकट~~ क्रिया विधि

(B) शैक्षिक तकनीकी - (i) सीखने का कार्यक्रम
(ii) शैक्षिक क्रियाओं का संगठन।
(iii) समूहों का उचित संगठन।

(C) शैक्षिक तकनीकी (i) शिक्षण यंत्रों का प्रारूप बनाना।
(ii) सुविधाओं की योजनाओं, जैसे- स्कूल, भवन, कक्षा-कक्ष आदि।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.

(iv) कुलश्रेष्ठ (1980) ने अपने शोध प्रपत्र में शैक्षिक तकनीकी की विस्तृत विवेचना करते हुए अधोंकित 'डायग्राम' के माध्यम से शैक्षिक तकनीकी विषय के विभिन्न क्षेत्रों को प्रदर्शित किया है-

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

19/09/2020